विषय-सूची

भूमिका— आचार्य डॉ. राम मूर्ति त्रिपाठी ... ... क - ख

प्रस्तावना— पृ. एक से नौ तक ... ... i - ix

अध्याय-१ **मालवा एवं मालवी : सामान्य परिचय** ... ... 1 – 57

मालवी का क्षेत्र और विस्तार. सोंधवाडी का क्षेत्र एवं विस्तार, उत्पत्ति, एवं मालवा में आगमन, सीमा एवं क्षेत्र विस्तार, सोंधवाड़ी एवं राजस्थानी में साम्य वैषम्य, चयनित सोंधवाडी क्षेत्र, संकलित सामग्री एवं संकलन का उद्देश्य, उमठवाड़ी का क्षेत्र एवं विस्तार, रांगड़ी का क्षेत्र एवं विस्तार, निमाड़ी का क्षेत्र एवं विस्तार, निमाड़ी का व्याकरणिक एवं ध्वनि स्वरूप, मालवा की जनजातियां- आगमन एवं क्षेत्र विस्तार, मालवा भौगोलिक स्थिति, नूतन सर्वेक्षण सूची, मानचित्रादि, ।

अध्याय-२ **मालवी का उद्भव और विकास** 58-191

मालवा-अवन्तिका- उज्जयिनी स्थिति, मालवगणः भाषा का स्वरूप 3 जिप्सी जनजाति और मालव भाषा, भीली जनमानस प्रकृति और भाषा विज्ञान, मालवी का उद्भव, प्राकृत और मालवी, अपभ्रंश का मालवी से साम्य-वैषम्य, मालवी के पुरुष वचनीय रूपों पर अपभ्रंश का प्रभाव, मालवी का विकास- भारतीय लोक साहित्य का विकास, बौद्ध, जैन, सिद्ध साहित्य, बुन्देलखंडी लोक साहित्य, भारतीय लोक साहित्य का विकास काल, हिन्दी में संकलन और संपादन की स्थिति, विकास में अवरोध के कारण, प्राचीन मालवी भाषा के रूप, माच, तुर्रा-किलंगी, पारंपरिक गीत कथाएं, मालवी का नाट्य साहित्य, पारंपरिक लोक साहित्य का विकास, विविध मौलिक विधाऐं, मालवी का उत्कर्षकाल ।

अध्याय-३ **मालवी ध्वनि प्रकरण** 192-258

ध्वनि का वर्गीकरण, स्वर ध्वनियां, व्यंजन ध्वनियां, स्वर भक्ति एवं विप्रकर्ष, मालवी एवं उपबोलियों में ध्वनि संबंधी नियम, मालवी लोप नियम, वर्ण विपर्यय, स्वर-व्यंजनों में असावर्ण्य एवं सावर्ण्य, मालवी में वर्ण लोप नियम, आगम नियम, अधोपीकरण, महाप्राणीकरण, ध्वनि ग्राम, ध्वनियों के गुण, स्वराघात या बल, मालवी छंदों में स्वराघात, मालवी में अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ विस्तार, अर्थ संकोच, अर्थादेश, मालवी वाक्य विचार, पश्चिमी हिन्दी की बोलियों से मालवी और उपबोलियों की ध्वनियों का तुलनात्मक अध्ययन, दीर्घ व्यंजन ध्वनियां, संयुक्त व्यंजन ध्वनियां, ओकारान्त एवं बहुवचनीय परसर्ग, मुख-सुख की प्रवृति । मालवी में लिपि चिन्हों का बदलाव ।

अध्याय-४ **मालवी संज्ञा प्रकरण (लिंग एवं वचन सहित)** 259-281

परिभाषा, संज्ञा के रूप, मालवी संज्ञा के प्रतिपादिक स्वरान्त शब्द, व्यंजनांत प्रातिपदिक मालवी शब्द, व्यंजनारंभ मालवी संज्ञा शब्दावली, संज्ञा पद बन्ध, संज्ञा के भेद, संज्ञा शब्द रूपों की अन्य विशेषतायें, प्राणि, अप्राणि वाचक संज्ञा शब्द, मालवी शब्द लिंग प्रकरण, मालवी वचन प्रकरण, नियमों का निर्धारण ।

अध्याय-५ **मालवी सर्वनाम प्रकरण** 282-324

मालवी सर्वनाम प्रकरण, पुरुषवाची सर्वनामों के रूप, आदर्श मालवी एवं उपबोलियों में व्यवहृत पुरुष वचनीय सर्वनाम रूपों की उत्पत्ति एवं विकास का विश्लेषण, पुरुष वचनीय रूपों का पश्चिमी हिन्दी की बोलियों के रूपों से साम्य-वैषम्य । बोलियों की कारकीय परसर्ग रूपावली, बुन्देली, ब्रज के रूप, मालवी कारक चिन्हों की व्युपत्ति या विकास । मालवी के सार्वनामिक परसर्गों का तुलनात्मक अध्ययन, सोंधवाड़ी एवं रांगड़ी के भेदात्मक कारकीय रूप ।

अध्याय-६ **मालवी में रूप रचना, शब्द समूह, अव्यय, उपसर्ग : प्रत्यय एवं समास** 325-351

अव्यय परिभाषा, प्रकार-समुच्चयबोधक अव्यय, दिशावाची, प्रकारवाची, रीति, स्वीकार एवं निषेधवाची अव्यय, विभाजक अव्यय, विस्मयसूचक, संबंधसूचक, समुच्चयबोधक अव्यय, उपसर्ग परिभाषा, रूप, विदेशी उपसर्ग, मालवी, सोंधवाड़ी उमठवाडी, रांगड़ी, में प्राप्त अव्ययी रूप, पुनरुक्ति शब्द, मालवी प्रत्यय रूप और उदाहरण, अन्त्य स्वर प्रातिपादिक, व्यंजनान्त प्रातिपदिक, संयोग, अर्थवाचक समास, कृत एवं तद्धित प्रत्यय ।

अध्याय-७ **रूप तत्व : मालवी विशेषण-विशेष्य** 352-367

परिभाषा : विशेषणों का वर्गीकरण, तुलनात्मक रूप, संख्यावाची विशेषण, मालवी एवं उपबोलियों में पूर्ण संख्याबोधक शब्द रूप, परिमाण वाचक विशेषण-विशेष्य, व्युत्पन्नान्तर्गत विशेष रूप, कृदन्ती रूप विशेषण, विशेष्य सारिणी, मालवी विशेषण-विशेष्य सारिणी, भूतकालिक कृदन्ती रूप विशेषण, वर्तमान संभाव्य, सादृश्यवाची, प्रयोग के आधार पर विशेषण पदबन्ध का मुख्य कार्य ।

अध्याय-८ **मालवी क्रिया प्रकरण -कृदन्त सहित** 368-437

काल के प्रकार, मूल एवं यौगिक मालवी क्रियाएं, उपसर्ग एवं पर प्रत्यय से निर्मित क्रिया शब्द, प्रेरणार्थक से आगत क्रिया शब्द, अर्ध तत्सम एवं देशी धातुएं, यौगिक क्रिया रूपावली, संयुक्त धातुएं, मालवी कृदन्त रूप, क्रियार्थक संज्ञा रूप, कर्तृवाचक संज्ञा रूप, संयुक्त क्रिया पद, मालवी का सहायक क्रिया विधान, मालवी के सहायक क्रिया रूपों का पश्चिमी हिन्दी की बोलियों से तुलनात्मक अध्ययन, क्रिया रूपों का अन्त । मालवी की क्रिया रूपगत विशेषताओं की तुलना, काल रचनानुसार मालवी की विशेषताएं, सारणी क्रिया विधान, मालवी क्रियाओं के आज्ञार्थक रूप, काल क्रमानुसार सारणियां ।

अध्याय-९ मालवी-क्रिया विशेषण 438-443
परिभाषा, क्रिया विशेषण पद बन्ध, सारणी, सहज व्युत्पन्न क्रिया विशेषण, सार्वनामिक क्रिया विशेषण, अर्थ निषेधी, निपात, क्रिया विशेषण अव्यय, शब्दों का प्रयोग, व्युत्पन्न रूप, स्थानवाची क्रिया विशेषण, गुण वाचक का तुलनात्मक रूप ।

अध्याय-१० उपसंहार 444-529
मालवी बोली का व्याकरण और उससे सम्बद्ध पश्चिमी हिन्दी की बोलियों से तुलनात्मक अध्ययन :-
मालवी भाषा व्याकरण एवं उपबोलियों का आपसी तुलनात्मक साम्य वैषम्य, बोली से बोलियों की तुलना क्यों ?
राजस्थानी डिंगल से मालवी की तुलना, अपभ्रंश का राजस्थानी पर प्रभाव, व्याकरणिक रूपों की तुलना, मारवाड़ी से मालवी की तुलना, ढूंढाड़ी से मालवी की तुलना, मेवाड़ी से मालवी की तुलना, निमाड़ी और आदर्श मालवी का रूपगत साम्य वैषम्य, मालवी और उपबोलियों की विशेषताएं, भीली का मालवी से सम्बंध, भीली और सोंधवाड़ी का साम्य वैषम्य, ध्वनिगत साम्य वैषम्य, उमठवाड़ी की व्याकरणिक एवं ध्वनि संबंधी विशेषताएं, रांगडी की विशेषताएं, निमाड़ी की विशेषताएं, बुंदेली और मालवी का तुलनात्मक अध्ययन, ब्रज और मालवी की तुलना, मालवी पर विदेशी ध्वनियों का प्रभाव, मालवी और मराठी, द्रविड-मुंडा परिवार से तुलना, गडवाली, गुजराती और मालवी शब्द रूपों से तुलना, संस्कृत-मालवी के रूप, क्रिया पदों के मूल रूप, उपसर्ग, संयुक्त धातुओं के उदाहरण, प्रेरणात्मक धातुएं ।

परिशिष्ट-१ मालवी एवं उपबोलियों के जीवन्त भाषाई रूप 530-541
बोलियों से तुलना क्यों ? मालवी के कतिपय द्वयार्थी एवं अनेकार्थी शब्द, मालवी के पर्यायवाची शब्द रूप, द्वयार्थी मालवी शब्द, संदर्भ ग्रंथ सूची, पत्र-पत्रिका साहित्य ।

❑❑❑